MGP

गाँधी और शांति अध्ययन
में
स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(माड्यूलर कार्यक्रम)

सत्रीय कार्य
वर्ष 2016–2017 के लिए

गाँधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि
(एमएजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पीजीडीजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र
(पीजीसीजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा कि हमने गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (माड्यूलर कार्यक्रम) की कार्यक्रम दर्शिका में बताया है कि प्रत्यके पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। इस पुस्तिका में **गाँधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि (एमएजीपीएस); गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीजीपीएस) और गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पीजीसीजीपीएस)** के सत्रीय कार्य हैं। यह गाँधी और शांति अध्ययन के माड्यूलर कार्यक्रम के पाठ्यक्रम हैं।

आपको सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके एक निश्चित समयावधि के बीच जमा करना है जो आपके कार्यक्रम का एक हिस्सा है और यह आपको कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने के योग्य बनाते हैं जिनमें आपका पंजीकरण हुआ है। सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूवर्क पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने ही शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सभी सत्रीय कार्यों को आप अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकित करने के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको इन्हें वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होगा।

प्रस्तुतीकरण : आपको सत्रांत परीक्षा देने की पात्रता प्राप्त करने के लिए निर्धारित समय–सीमा के भीतर सभी सत्रीय कार्यों को अवश्य जमा करना होगा। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँः

समय सारणी

सत्र	**जमा करने की अंतिम तिथि**	**किसके पास जमा करें**
जुलाई 2016 सत्र के लिए	**31 मार्च 2017**	**अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।**
जनवरी 2017 सत्र के लिए	**30 सितम्बर 2017**	

शुभकामनाओं के साथ,

सत्रीय कार्य करने के लिए मार्ग निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य के प्रत्येक श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें, यह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगी :

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उनका ध्यान से अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनशील बनें और विश्लेषण करने का प्रयास करें। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष लिखने पर समुचित ध्यान दें :

   यह सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर :

   क) तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही–सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरणः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तरों की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ हस्तलिपि में लिखें और जिन बिन्दुओं पर ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें।

शुभकामनाओं के साथ!

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

पाठ्यक्रमः गाँधी : व्यक्ति और उनका काल (एम.जी.पी.–001)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–001
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–001/ए एस एस टी/टी एम ए/2016–17
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. बीसवीं सदी में नस्लवाद और उपनिवेशवाद के खिलाफ गाँधी जी के विचार और उनके संघर्ष का वर्णन करें।
2. गाँधी जी का अहिंसक संघर्ष और सत्याग्रह के महत्त्व का परीक्षण कीजिए।
3. निम्नलिखित विषयों की मूल विशेषताएं एवं महत्त्व का उल्लेख कीजिए :
   (क) रायचन्द भाई का गाँधी पर प्रभाव
   (ख) गाँधी पर लियो टॉलस्टाय का प्रभाव
4. गाँधी के नेतृत्व में खिलाफत और असहयोग आंदोलन के अभिसरण (Convergence) की चर्चा कीजिए।
5. पूना पैक्ट के प्रति विभिन्न प्रतिक्रियाओं का वर्णन कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) दक्षिण अफ्रीका में गाँधी
   (ख) चंपारण सत्याग्रह 1917–18
7. (क) खिलाफत व असहयोग आंदोलन
   (ख) सविनय अवज्ञा आंदोलन
8. (क) गाँधी द्वारा क्रांतिकारियों की समीक्षा
   (ख) रचनात्मक कार्यक्रम
9. (क) गाँधी और भारत छोड़ो आंदोलन
   (ख) राष्ट्रवाद पर टैगोर के विचार
10. (क) गोपाल कृष्ण गोखले (1866–1915)
    (ख) डॉ. अम्बेडकर के सामाजिक और राजनीतिक विचार

पाठ्यक्रमः गाँधी दर्शन (एम.जी.पी.–002)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–002
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–002/ए एस एस टी/टी एम ए/ 2016–17
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. ईसाई धर्म के मूल सिद्धान्तों को प्रकट कीजिए और उन्होंने गाँधी को किस प्रकार प्रभावित किया?
2. समाज में सामंजस्य बनाने के लिए तुलसीदास के प्रयास की चर्चा कीजिए।
3. गाँधी के जीवन में सत्य का अर्थ और महत्त्व की व्याख्या कीजिए।
4. टॉलस्टाय के विचारों का गाँधी पर प्रभाव का संक्षिप्त में परीक्षण कीजिए।
5. जॉन रस्किन के आर्थिक विचारों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) गाँधी पर जैन धर्म का प्रभाव
   (ख) मानव जीवन और सत्य का महत्त्व
7. (क) सत्य और मुक्ति (Liberation)
   (ख) विभिन्न धर्मों पर गाँधीजी के विचार
8. (क) भारतीय सभ्यता का विचार
   (ख) भक्ति आंदोलन और वैष्णववाद
9. (क) सर्वोदय की समकालीन प्रासंगिकता
   (ख) स्वराज के आर्थिक आधार
10. (क) गाँधी और थोरय (Thoreau)
    (ख) गाँधीजी का स्वदेशी सिद्धान्त

पाठ्यक्रमः गाँधी के सामाजिक विचार (एम.जी.पी.–003)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–003
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–003/ए एस एस टी/टी एम ए/ 2016–17
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. भारतीय सामाजिक व्यवस्था पर गाँधीवादी आलोचना का परीक्षण कीजिए।
2. वर्णाश्रम धर्म पर गाँधीवादी दृष्टिकोण की जाँच कीजिए।
3. आधुनिकता की गाँधीवादी आलोचना का परीक्षण कीजिए।
4. गाँधीवादी विचार में सत्य की अवधारणा के महत्त्व की व्याख्या कीजिए।
5. स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका और योगदान का परीक्षण कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) भारत में साम्प्रदायिकता की समस्या पर गाँधी
   (ख) हिन्दू धर्म के पुनर्निर्माण पर गाँधी के विचार
7. (क) व्यक्तिगत सुधार पर गाँधी के विचार
   (ख) दलित वर्ग पर गाँधी के विचार
8. (क) बच्चों के बारे में गाँधी के विचार
   (ख) युवाओं द्वारा रचनात्मक कार्य
9. (क) प्राकृतिक चिकित्सा पर गाँधी के विचार
   (ख) शिक्षा पर गाँधी के विचार
10. (क) न्यासिता (Trusteeship) का सिद्धान्त
    (ख) पर्यावरण पर गाँधी के विचार

पाठ्यक्रमः गाँधी के राजनीतिक विचार (एम.जी.पी.–004)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–004
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–004/ए एस एस टी/टी एम ए/ 2016–17
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. राज्य और नागरिकता पर गाँधी के विचारों की चर्चा कीजिए।
2. लैंगिक समानता पर गाँधी के विचारों का उल्लेख कीजिए।
3. अधिकारों और कर्त्तव्यों पर गाँधी की अवधारणा का वर्णन कीजिए।
4. नस्लीय और जाति की समानता पर गाँधी के विचारों की व्याख्या कीजिए।
5. गाँधी के राष्ट्रवाद की अवधारणा का परीक्षण कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) शक्ति पर गाँधी की अवधारणा
   (ख) फ़ासीवाद पर गाँधी के विचार
7. (क) आधुनिक सभ्यता पर गाँधी के विचार
   (ख) उदारवाद और संविधानवाद
8. (क) साम्यवाद पर गाँधी की आलोचना
   (ख) संरचनात्मक कार्यक्रम का महत्त्व
9. (क) शांति और अहिंसक सक्रियता पर गाँधी के दृष्टिकोण
   (ख) इक्कीसवीं सदी में सत्याग्रह की प्रासंगिकता
10. (क) संरचनात्मक हिंसा पर गाँधी के विचार
    (ख) अराजकतावादी समाज में प्राधिकार

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का परिचय (एम.जी.पी.–005)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–005
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–005/ए एस एस टी/टी एम ए/2016–17
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. शांति की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए और शांति निर्माण एवं उसे कायम करने के साधनों का वर्णन कीजिए।
2. शांति, कल्याण और न्याय के बीच संबंधों को समझाएँ।
3. शांति और सौहार्द सुनिश्चित करने में औपचारिक प्रतिनिधिक लोकतंत्र की भूमिका का परीक्षण कीजिए।
4. संघर्ष के विभिन्न प्रकार और स्तरों का विश्लेषण कीजिए।
5. संघर्ष के स्रोत के रूप में सापेक्ष वंचित करने का सिद्धान्त (Relative Deprivation Theory) तथा कुण्ठा आक्रमकता ग्रंथि (Frustration-Aggregation Complex) के महत्त्व का परीक्षण कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) समानता और असमानता पर मार्क्सवादी विचार
   (ख) राल्स के सामाजिक अन्याय का सिद्धान्त
7. (क) संघर्ष समाधान पर गाँधी के विचार
   (ख) विवादों के समाधान की गाँधीवादी पद्धति
8. (क) वैकल्पिक विवाद समाधान
   (ख) भारत में न्याय के साधन (Instrument of Justice)
9. (क) लोक अदालत में संघर्ष समाधान का महत्त्व
   (ख) शांति की संस्कृति
10. (क) मानव विकास और गरीबी उन्मूलन
    (ख) भारत में शांति शिक्षा के धार्मिक स्रोत

पाठ्यक्रमः गाँधी के आर्थिक विचार (एम.जी.पी.ई.–006)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–006
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–006/ए एस एस टी/टी एम ए/2016–17
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. गाँधी के अनुसार, अहिंसक आर्थिक व्यवस्था का क्या आधार है?
2. ब्रिटिश शासन के दौरान भारत में गरीबी के जिम्मेदार कारकों की चर्चा कीजिए।
3. भारत में गाँधी ने औपनिवेशिक साम्राज्यवाद का सामना कैसे किया, स्पष्ट कीजिए।
4. रोटी के लिए श्रम सिद्धान्त (The Doctrine of Bread Labour) की व्याख्या कीजिए। समाज में असमानता और शोषण की समस्याओं का यह किस प्रकार समाधान करता है?
5. समकालीन विश्व में स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की गाँधीवादी अवधारणा की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) गाँधी द्वारा प्रतिपादित इच्छाओं को सीमित करने का सिद्धांत।
   (ख) भारत के औद्योगिकीकरण में लघु उद्योग
7. (क) चरखा : एक आर्थिक उपकरण
   (ख) अपरिग्रह का सिद्धांत (Doctrine of Non-Possession)
8. (क) संरचनात्मक कार्यक्रम और इसकी समकालीन प्रासंगिकता
   (ख) मशीनरी और औद्योगिकीकरण
9. (क) जे.सी. कुमारप्पा के विचार और आर्थिक दर्शन
   (ख) भारत में सहकारिता
10. (क) विकेन्द्रीकरण में गाँधीवादी दृष्टिकोण
    (ख) सतत् अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय

पाठ्यक्रमः गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलन (एम.जी.पी.ई.–007)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–007
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–007/ए एस एस टी/टी एम ए/2016–17
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. भारत में शांति आंदोलन के लिए गाँधीवादी एजेंडे पर चर्चा कीजिए।
2. संयुक्त राज्य अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलनों की संक्षिप्त चर्चा कीजिए।
3. गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलनों के परिणामों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
4. भारत में नये किसान आंदोलन के प्रमुख संघर्ष की चर्चा कीजिए।
5. चिपको आंदोलन के महत्त्व और वन संसाधन दोहन के प्रतिरोध में गाँधीवादी पद्धति का उल्लेख कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) भारतीय समाज द्वारा सामना की जा रही विभिन्न सामाजिक समस्याएँ
   (ख) ग्रामदान की अवधारणा
7. (क) सम्पूर्ण क्रान्ति की संकल्पना
   (ख) महिला व नागरिक अधिकार आंदोलन
8. (क) निषेध पर गाँधी के विचार
   (ख) लोकतांत्रिक और नागरिक अधिकार
9. (क) बड़े बाँध विरोधी अहिंसात्मक संघर्ष
   (ख) साइलैंट वैली (Silent Valley) आंदोलन
10. (क) ग्रामीण औद्योगिकीकरण का गाँधीवादी ढाँचा
    (ख) दक्षिण अफ्रीका में गाँधी का योगदान

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण (एम.जी.पी.ई.–008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–008
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–008/ए एस एस टी/टी एम ए/2016–17
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. सामुदायिक शांति की अवधारणा और इसके गाँधीवादी दृष्टिकोण का वर्णन कीजिए।
2. शांति निर्माण के विभिन्न दृष्टिकोणों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।
3. आप अपने शब्दों में निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :
   (क) सहिष्णुता, समरसता और क्षमाशीलता
   (ख) विश्व संघ और शांतिपूर्ण विश्व पर गाँधी के विचार
4. संघर्ष के विशिष्ट स्रोतों का वर्णन कीजिए।
5. संघर्ष समाधान के पश्चिमी दृष्टिकोण के प्रमुख विशेषताओं का परीक्षण कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) शांति के अध्ययन का नारीवादी दृष्टिकोण
   (ख) महिला स्वरोज़गार संघ (SEWA) की भूमिका और इसकी प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
7. (क) पेत्रा केली (Petra Kelly) और जर्मन ग्रीन्स
   (ख) आत्म शुद्धि पर गाँधी के विचार
8. (क) समकालीन विश्व में संवाद और समझौता की प्रासंगिकता
   (ख) हड़ताल का अभिप्राय और महत्त्व
9. (क) समकालीन समय में संवाद और समझौता का महत्त्व
   (ख) मध्यस्थता और समझौता का विचार
10. (क) तिब्बत में सामाजिक–राजनीतिक जीवन की विशेषताएँ
    (ख) म्यांमार में लोकतांत्रिक आंदोलन के लिए गाँधी की प्रासंगिकता

पाठ्यक्रमः इक्कीसवीं सदी में गाँधी (एम.जी.पी.ई.–009)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–009
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–009/ए एस एस टी/टी एम ए/2016–17
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. भारत के संदर्भ में भूमंडलीकरण के प्रभाव का वर्णन कीजिए।
2. सत्य और अहिंसा की गाँधीवादी अवधारणा की चर्चा कीजिए।
3. गाँधी ने भावी पीढ़ी के लिए किस प्रकार के विश्व व्यवस्था की परिकल्पना की है? क्या इसकी कोई समकालीन प्रासंगिकता है?
4. पूँजीवादी राज्य की संकल्पना और अर्थ का संक्षिप्त में वर्णन कीजिए।
5. उपभोक्तावादी संस्कृति का हमारे राष्ट्रीय पर्यावरण पर क्या प्रभाव है? इसके सामाजिक–आर्थिक आयाम क्या हैं?

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) बहुलवादी राज्य
   (ख) अंतर्धार्मिक (Interfaith) संवाद
7. (क) व्यक्ति के प्रति गाँधी की धारणा
   (ख) गाँधीवादी ग्रामीण विकास का नमूना
8. (क) उभरते सामाजिक समावेश की ओर गाँधी के प्रयास
   (ख) औपनिवेशिक भारत में शिक्षा
9. (क) गाँधी और महिला सशक्तिकरण
   (ख) गाँधी का विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर दृष्टिकोण
10. (क) आतंकवाद और मानवाधिकार
    (ख) समकालीन विश्व में मानाधिकारों का उल्लंघन.

पाठ्यक्रमः संघर्ष प्रबन्धन, परिवर्तन और शांति निर्माण (एम.जी.पी.ई.–010)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–010
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–010/ए एस एस टी/टी एम ए/2016–17
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. समकालीन समाज में संघर्ष के स्वभाव का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।
2. संघर्ष के विभिन्न स्रोतों का परीक्षण कीजिए।
3. निम्नलिखित विषयों का 250 शब्दों में वर्णन कीजिए :
   (क) संघर्ष समाधान की पद्धति
   (ख) संघर्ष मूल्यांकन की सीमाएँ
4. संघर्ष प्रबंधन क्या है? संघर्ष प्रबंधन के विभिन्न प्रतिमान क्या हैं?
5. शांति निर्माण क्या है? शांति निर्माण की मूल चुनौतियाँ क्या हैं?

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) पंजाब में आतंकवाद की समस्या
   (ख) नागालैण्ड में हिंसा की समस्या
7. (क) आधुनिक सभ्यता की गाँधीवादी आलोचना
   (ख) गाँधी द्वारा प्रतिपादित न्यासिता का विचार
8. (क) दक्षिण अफ्रीका में गाँधी
   (ख) संघर्ष परिवर्तन सिद्धान्त
9. (क) गालतुंग द्वारा दिए गए संरचनात्मक और सांस्कृतिक हिंसा की धारणा
   (ख) भारत में शिक्षा की गाँधीवादी दृष्टि
10. (क) श्रीलंका में संघर्ष के बाद के पुनर्निर्माण और पुनर्वास के प्रयास में गैर सरकारी संगठन
    (ख) संघर्ष के बाद (Post-Conflict) पुनर्निर्माण में मीडिया की भागीदारी

पाठ्यक्रमः मानव सुरक्षा (एम.जी.पी.ई.–011)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–011
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–011/ए एस एस टी/टी एम ए/2016–17
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. मानव विकास के मानव अधिकारवादी उपागम की विशेषताएँ और आयामों का परीक्षण कीजिए।
2. मानव सुरक्षा और मानव विकास के मध्य परस्पर निर्भरता पर चर्चा कीजिए।
3. निम्नलिखित का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए :
   (क) महबूब–उल–हक़ का योगदान
   (ख) मानव सुरक्षा और शांति निर्माण
4. संरचनात्मक हिंसा क्या है? ये प्रत्यक्ष हिंसा से किस प्रकार भिन्न है?
5. गैर–राज्य हिंसा की अवधारणा का संक्षिप्त में व्याख्या कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) मानव सुरक्षा और पर्यावरणीय सुरक्षा से इसका संबंध
   (ख) खाद्य सुरक्षा का अभिप्राय व अवधारणा
7. (क) भारत में असंगठित श्रमिकों की समस्या
   (ख) सीमांतीकृत महिलाओं (Marginalized Women) का सशक्तिकरण
8. (क) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर गाँधीवादी विचार
   (ख) सशस्त्र संघर्ष का असैनिकों पर प्रभाव
9. (क) भारत में गरीबी और खाद्य सुरक्षा
   (ख) अन्य पिछड़े वर्ग का सशक्तिकरण और सीमांतीकरण (marginalization) की अवधारणा
10. (क) वैश्विक राज्य और मानव सुरक्षा
    (ख) राष्ट्रीय सुरक्षा और मानव सुरक्षा के बीच अंतर

पाठ्यक्रमः महिलाएँ और शांति (एम.जी.पी.ई.–012)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–012
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–012/ए एस एस टी/टी एम ए/2016–17
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. महिलाओं पर भूमंडलीकरण के प्रभाव का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।
2. उपर्युक्त उदाहरणों सहित प्रतिष्ठा के लिए हत्या की समस्या की चर्चा कीजिए।
3. समकालीन महिलाओं के आन्दोलन गाँधीवादी विचार की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए।
4. शांतिन निर्माण में महिलाओं की भूमिका का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
5. भारतीय राजनीति में जाति की भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) भारत में महिलाओं के स्वास्थ्य की स्थिति
   (ख) महिलाओं के विरुद्ध हिंसा रोकने के लिए गाँधी के विचार
7. (क) बौद्ध और जैन धर्म में महिलाएँ
   (ख) भारत में साम्प्रदायिकता और लिंग संबंध
8. (क) बालश्रम के विरुद्ध अभियान
   (ख) दहेज विरोधी आंदोलन
9. (क) कन्या शिशु हत्या के विरुद्ध आंदोलन
   (ख) संघर्ष प्रस्तावों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका
10. (क) विकास के निर्भरता सिद्धान्त (Dependency Theory)
    (ख) पारिस्थितिकी महिलावादी (Eco-Feminism)

पाठ्यक्रमः नागरिक समाज, राजनीति शासन और संघर्ष (एम.जी.पी.ई.–013)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–013
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–013/ए एस एस टी/टी एम ए/2016–17
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. ग्राम्स्की की नागरिक समाज की संकल्पना का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
2. प्रारम्भिक और तात्कालिक अहिंसक विरोध आंदोलन का परीक्षण कीजिए।
3. नागरिक समाज संगठनों की जवाबदेही के मुद्दे का आलोचनात्मक परीक्षा कीजिए।
4. स्वैच्छिक कार्रवाई जुटाने के लिए सामाजिक आंदोलनों की भूमिका की चर्चा कीजिए।
5. आतंकवाद के खिलाफ युद्ध, नव–उदारवादी बाजार अर्थव्यवस्था और राजनीतिक शासन के प्रभावों का संक्षिप्त में वर्णन कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) दक्षिण एशिया में नागरिक समाज की प्रासंगिकता
   (ख) गरीबी और भूखमरी के उन्मूलन में ग्रामीण बैंकों की भूमिका।
7. (क) मानवाधिकार और शांति की संस्कृति
   (ख) भारत में शांति आंदोलन
8. (क) सशक्तिकरण पर गाँधी के विचार
   (ख) पंचायती राज संस्था और विकेंद्रीकरण
9. (क) गाँधीवादी नागरिक समाज की अवधारणा
   (ख) वैश्विक शांति की चुनौतियाँ
10. (क) संरचनात्मक कार्यक्रम और स्वराज
    (ख) विकस्ति पूँजीवादी राज्य पर बहस

पाठ्यक्रमः गाँधी : पारिस्थिकी और सतत् विकास (एम.जी.पी.ई.–014)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–014
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–014/ए एस एस टी/टी एम ए/2016–17
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. पारिस्थिकी और विकास से संबंधित तात्कालिक वाद–विवाद का वर्णन कीजिए।
2. पर्यावरण और विकास पर गाँधीवादी विचारधारा का परीक्षण कीजिए तथा भूमण्डलीकरण के युग में इसका क्या महत्त्व है?
3. विकास का नैतिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण की आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
4. भारत में पर्यावरण आंदोलन के गाँधीवादी विचारधारा का वर्णन करें।
5. गाँधी को एक महान मानव पारिस्थितिकीविद् (Human Ecologist) क्यों कहा जाता है? स्पष्ट कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) भारत में गाँधी के आश्रम
   (ख) अस्वमित्व का सिद्धान्त
7. (क) गाँधीवादी जीवनशैली और आजीविका
   (ख) विकास के संस्थागत आयाम
8. (क) सर्वोदय का अर्थ और उत्पत्ति
   (ख) हरित पहल
9. (क) श्रम करके खाना (Bread Labour)
   (ख) शुष्क राजस्थान में जल संचयन
10. (क) एकीकृत ग्रामीण विकास
    (ख) मानव जाति की गाँधीवादी संकल्पना

पाठ्यक्रमः अनुसंधान विधियों का परिचय (एम.जी.पी.ई.–015)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–015
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–015/ए एस एस टी/टी एम ए/2016–17
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के प्रमुख उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।
2. सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में आँकड़े के विभिन्न स्रोतों का विवरण कीजिए।
3. निम्नलिखित को अपने शब्दों में वर्णित करें :
   (क) क्षेत्रीय अन्वेषण अनुसंधान
   (ख) सर्वेक्षणीय अनुसंधान
4. अनुसंधान से संबंधित मानकीय (Normative) और अनुभवजन्य (Empirical) प्रतिमानों के बीच की बहस पर चर्चा कीजिए।
5. सामाजिक विज्ञान की समस्याओं को समझने के लिए गाँधीवादी दृष्टिकोण का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) अनुसंधान विषय के चयन की पद्धतियाँ
   (ख) नृजातीय वर्णन की विशेषताएँ
7. (क) दस्तावेजी के विविध स्रोत
   (ख) वर्णात्मक सिद्धान्त (Narrative Data Theories)
8. (क) शांति निर्माण के उपागम
   (ख) परिकल्पना परीक्षण की प्रासंगिकता
9. (क) अनुसंधान प्रस्तुतीकरण में तालिका निर्माण के नियम
   (ख) गुणात्मक आँकड़ों का विश्लेषण और प्रस्तुतीकरण की प्रविधियाँ
10. (क) अनुसंधान प्रणाली विज्ञान में वैज्ञानिक प्रस्तुतीकरण की विशेषताएँ
    (ख) सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में कम्प्यूटर अनुप्रयोग

पाठ्यक्रमः गाँधी : मानव अधिकार : भारतीय परिप्रेक्ष्य (एम.जी.पी.ई –016)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–016
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–016/ए एस एस टी/टी एम ए/2016–17
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. मानव अधिकारों की भारतीय परम्परा में सिक्ख धर्म और भक्ति–सूफी आंदोलनों के योगदान की व्याख्या कीजिए।

2. राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान विकसित मानव अधिकारवादी दृष्टिकोण के मुख्य प्रेरणा स्रोतों की चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित पर 250 शब्दों में (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

   (क) भारत में मानव अधिकार

   (ख) राज्य के नीति निदेशक तत्त्व

4. मानव अधिकारों के सार्वभौमिक घोषणा के प्रावधानों एवं उसके महत्त्व की विवेचना कीजिए।

5. मानव अधिकारों के समकालीन बहस का परीक्षण कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) देशज लोगों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र की घोषणा, 2007
   (ख) विश्व में प्रमुख मानव अधिकारों का उल्लंघन

7. (क) उदारवादी महिलावाद
   (ख) भारत में किशोर न्याय

8. (क) मानव अधिकारों के अंतर्राष्ट्रीय विधेयक
   (ख) भारत में अल्पसंख्यकों के अधिकार

9. (क) एमनेस्टी इंटरनेशनल (Amnesty International)
   (ख) नागरिक समाज, संचार माध्यम (Media) और मानव अधिकार

10. (क) सक्रिय नागरिकता और सुशासन
    (ख) सामाजिक समानता